परम पू. कैलाश जी 'मानव'

आर.एन.आई. नं. RAJBIL/2010/52404

सेवा सौभाग्य

● मूल्य » 5 ● वर्ष-10 ● अंक » 127 ● मुद्रण तारीख » 1 जुलाई-2022 ● कुल पृष्ठ » 32

51 दिव्यांग एवं निर्धन बेटियों को हल्दी लगाना कन्यादान कर जीवन महकाना

दिव्यांग एवं निर्धन सामूहिक विवाह

दिनांकः 28-29 अगस्त | स्थानः उदयपुर

दिव्यांगों की जिन्दगी में खुशियाँ भरने का कर्म...
हम सबका धर्म...

Donate Now

1 कृत्रिम अंग सहयोग 10000 रू.

UPI narayanseva@sbi

अधिक जानकारी के लिए कॉल करें

फोन नं. : +91-294-6622222 **वाट्सअप** : +91-7023509999

नर सेवा-नारायण सेवा सेवा समाचार

सेवा सौभाग्य

दिव्यांगों को अपना आशीर्वाद देनें के लिए अवश्य पधारें

1 जुलाई, 2022

वर्ष 10 अंक 127 मूल्य ₹ 05

कुल पृष्ठ » 32

संपादक मंडल

मार्ग दर्शक » कैलाश चन्द्र अग्रवाल
सम्पादक » प्रशान्त अग्रवाल
सहयोग » विष्णु शर्मा हितैषी
भगवान प्रसाद गौड़
डिजाइनर » विरेन्द्र सिंह राठौड़

संपर्क (कार्यालय)

NARAYAN SEVA SANSTHAN
Our Religion is Humanity

Sewa Parmo Dharm
MAKE GIVING YOUR HABIT

हिरण मगरी, सेक्टर-4
उदयपुर (राज.)-313002
फोन नं. : +91-294-6622222
+91-294-2666666
वाट्सअप : +91-7023509999

Web » www.narayanseva.org
E-mail » info@narayanseva.org

Seva Soubhagya 1 July, 2022 Registered Newspaper No. RAJBIL/2010/52404 Postal Reg. No. RJ/UD/29-146/2020-2022. Despatch Date 1st to 7th of every month, Chetak Circle Post Office, Udaipur, Published by Sole-Owner, Publisher and Chief Editor Prashant Agarwal from Sevadham, Hiran Magri, Sector-4, Udaipur - 313002 (Raj) Printed at Newtrack Offset Private Limited, Udaipur. Total pages- 32 (No. of copies printed 1,05,000) cost- Rs.5/-

इस माह

जीवन का सार

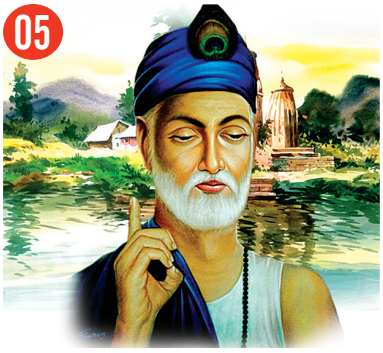

05

नरेन्द्र की सुगम हुई राह

09

विधवा माँ को मिला सहारा

13

तंजानिया में शिविर

14

सेना के प्रयास से दिव्यांग सेवा

21

अन्तर्राष्ट्रीय अवार्ड समारोह

23

घर वालों सुं - घर की बात

मीठी-मनुहार

स्नेही स्वजन-जय श्रीकृष्ण !

उड़ पत्रिका उतावली, बण तुरंग असवार।
खबरां दे सामूहिक ब्याव री, आज्यो सपरिवार।
विनय पूर्वक पाती लिखी, प्रेमपूरित मनुहार।
सज्जन बण, बाराती-समधी पधारिज्यो सपरिवार।
फुरसत म्हाने है नहीं, आ मत कहिज्यो आप।
काम परायो है नहीं, ओ है सेवा को काज।।
निर्धन-दिव्यांग 51 बेटा बणसी बनड़ा ससम्मान।
वाट-जोवती बेटियां रो करणो है कन्यादान।
आया बिना रहिज्यो मती, इण सब रे ब्याव।
28-29 अगस्त, 2022 रविवार और सोमवार।
घणे मान विनती, आइज्यो जरूर सुजान।
आप पधारिया सोभा होवसी, बढ़सी म्हाको मान।
कुंकम पतरी फेर भेजस्यां, इण रे लारेलार।
बाट घणी जोवेला, संगलो नारायण परिवार।
शुभ वेला स्वागत तांई, म्है सब तैयार।।

प्रतीक्षारत

कैलाश मानव, कमला देवी, प्रशान्त अग्रवाल
जगदीश, वंदना, देवेन्द्र, पलक एवं
समस्त नारायण सेवा परिवार

सत्संग

संस्थापक चेयरमैन
कैलाश 'मानव'

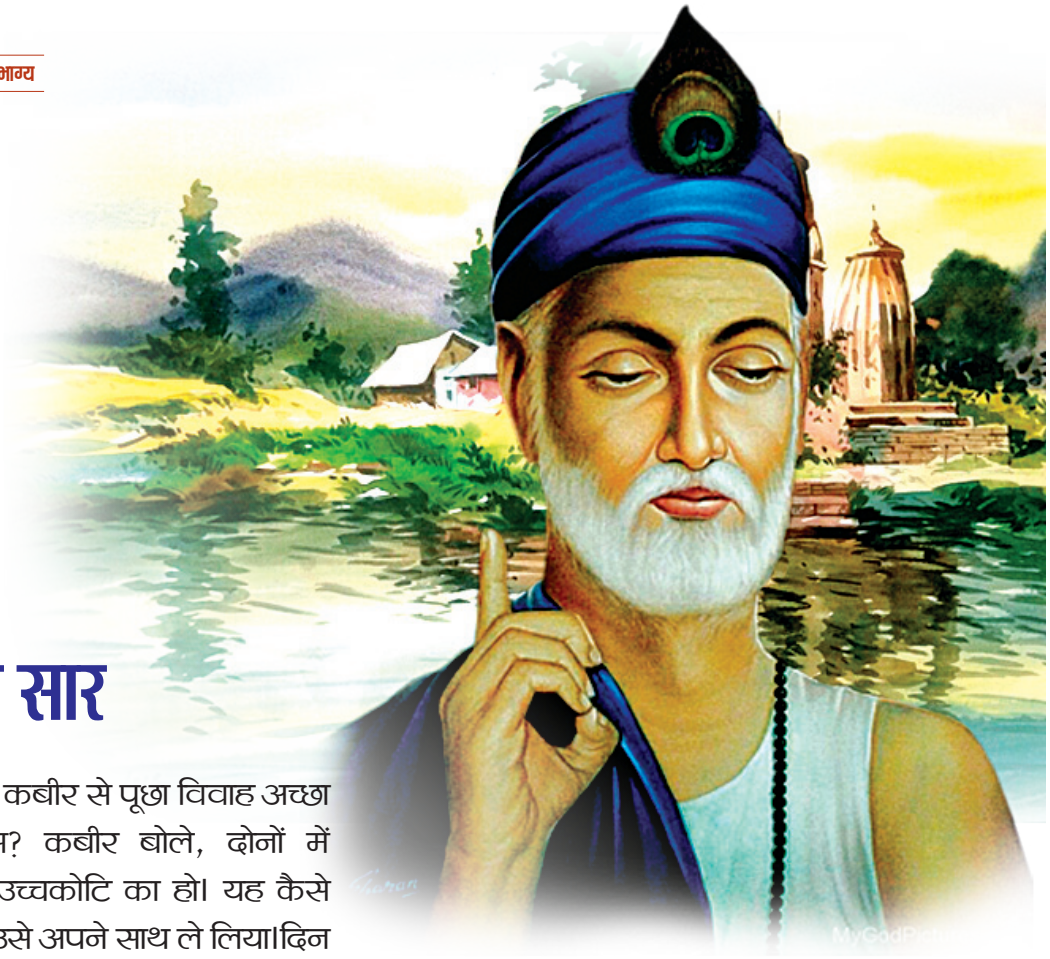

जीवन का सार

एक शिष्य ने कबीर से पूछा विवाह अच्छा या सन्यास? कबीर बोले, दोनों में जो भी हो उच्चकोटि का हो। यह कैसे महाराज? कबीर ने उसे अपने साथ ले लिया।दिन के बारह बज रहे थे। कबीर कपड़ा बुनने लगे। उजाला था फिर भी कबीर ने अपनी धर्मपत्नी को दीपक लाने के कहा। वह तुरन्त जलाकर लाई और उनके पास रख गई। शाम को वे शिष्य को एक पहाड़ी की तलहटी ले गए। यहां ऊंचाई पर एक वृद्ध साधु कुटी बनाकर रहते थे। कबीर ने साधु को आवाज दी। वृद्ध बीमार साधु मुश्किल से ऊंचाई से उतर कर नीचे आया। कबीर ने पूछा, आपकी आयु कितनी है? साधु ने कहा अस्सी बरस। यह कहकर वह फिर से ऊपर चढ़ा। कठिनाई से कुटी में पहुंचा। कबीर ने फिर आवाज दी और नीचे बुलाया। आप यहां पर कितने दिन से निवास करते हैं। उन्होंने बताया चालीस वर्ष से। चढ़ने-उतरने से साधु की सांस फूलने लगी,वह बुरी तरह थक गया परन्तु उसे तनिक भी क्रोध न आया। दोनों का उदाहरण देते हुए कबीर बोले गृहस्थ बनना हो तो दोनों के प्रेम में पूर्ण विश्वास हो, समर्पण हो और संन्यासी बनना हो तो दुर्व्यवहार, क्रोध का समावेश जीवन में बिल्कुल भी ना हो। यही जीवन का सार है। बंधुओं! समय गतिशील है। हम पूर्ण चिन्तन-मनन के साथ इसका जितना अधिक उपयोग कर पाएंगे, उतना ही सफल होंगे। हमें अच्छे-बुरे में फर्क करने के लिए आत्म विश्लेषण करते रहना होगा। शार्ट टेम्पर्ड व्यक्ति कभी भी जीवन के किसी भी क्षेत्र में सफल नहीं हो सकता। अतएव हम शान्त मन से विचार कर कोई भी कम करेंगे तो परिणाम अनुकूल ही होगा।

कोई भी कार्य यदि पूर्ण समर्पण भाव और स्वभाव से किया जाए तो उसके परिणाम सदैव बेहतर और संतोषदायक होते हैं।

गुरू पूर्णिमा विशेष

सद्गुरू ही सच्चा मित्र

स्वामी विवेकानन्द ने लिखा है- सारी धरती की धर्म व्यवस्था रसातल में चली जाए, फिर भी जब तक धरती पर एक भी सद्गुरू है और एक सत् शिष्य है, तब तक धर्म फिर से उभरेगा। क्योंकि सद्गुरू के हृदय से सत् शिष्य के कल्याण के लिए जो वचन निकलेंगे, वे ही धर्मग्रंथ बन जाएंगे। संस्थान में 13 जुलाई को गुरू वंदन अनुष्ठान में आपश्री सादर आमंत्रित हैं।

एक राजा ने अपने लिए गुरू का विज्ञापन किया। शर्त थी कि जिसका आश्रम सबसे बड़ा व आकर्षक होगा, उसे गुरू बनाया जाएगा। बहुत से साधु-संन्यासी पधारे। राजा ने पांच को चुना और कहा कि वे नगर के बाहर खाली जमीन पर आश्रम बनवा लें। प्रत्येक ने आश्रम निर्माण हेतु जमीन ले ली। कुछ दिनों बाद राजा प्रगति देखने आए। पता चला चार साधु निर्माण की देखरेख में खूब सक्रिय हैं, पर एक पेड़ के नीचे आनंदमग्न बैठे हैं। राजा ने पूछा, क्या आपका आश्रम नहीं बनेगा? जवाब मिला, मेरे आश्रम की दीवारों पर पृथ्वी-आकाश दोनों मिलते हैं। मुझे और निर्माण की जरूरत नहीं। वस्तुतः राजा विवेकी थे, उन्हें सद्गुरू मिल गया। बहुधा हम लोग दुनियावी चीजें देखकर गुरू चुनने चलते हैं और धोखा खा जाते हैं। सच्चा गुरू दिखावे से दूर होता है। वह कभी किसी से नहीं कहता कि मेरे पास आओ। सच्चा गुरू शिष्य को बताता है कि हर किसी को अपनी यात्रा स्वयं करनी पड़ती है-अप्प दीपो भव। ब्रह्मलीन स्वामी शिवानंद जी तीर्थ के अनुसार कई बार साधक इस भौतिक शरीर को गुरू समझने की भूल करते हैं। शरीर तो उस परमगुरू का ऊपरी छिलका है। छिलके की सेवा करना परम कर्तव्य है, पर उसे ही सर्वस्व समझ लेना भारी भूल है। दरअसल, गुरू सत्ता की दो भूमिकाएं हैं। एक तो अपनी अंतरात्मा के रूप में बैठा प्रेरणा देता रहता है। दूसरा, वह जिसे व्यक्ति के रूप में वरण किया जाता है। सच्चा गुरू शिष्य को आत्मशक्ति को विकसित और विशिष्ट बनाने का सूत्र भी देता है। वस्तुतः यह दोहरी पद्धति है। गुरू के अनुदान बरसते हैं और शिष्य को सघन श्रद्धा का आरोपण करना पड़ता है। सच्चे गुरू का प्रभाव शाश्वत होता है। सद्गुरू से बड़ा दूसरा कोई सच्चा मित्र हो ही नहीं सकता। राम ने ऋषि वशिष्ठ के रूप में और श्री कृष्ण ने ऋषि सांदीपनी को गुरू रूप में वरण किया था। सच्चा गुरू अपनी ऊर्जा, योग्यता, उदात्तता को शिष्यों की अंतरात्मा में भी जगा देता है।

बोध कथा

वृद्ध का अनुभव

जर्मनी के सम्राट फ्रेडरिक महान यह जानकर बहुत चिंतित हुए कि उनके देश की आर्थिक स्थिति दिनों-दिन खराब होती जा रही है। उन्होंने एक दिन राज्य कर्मचारियों को विचार-विमर्श के लिए बुलाया तथा उनसे पूछा कि राज्य के खजाने की आय कम होने का क्या कारण हैं? दरबार में यह प्रश्न उठते ही सन्नाटा छा गया। अचानक दूर बैठे एक वयोवृद्ध नागरिक ने कहा, सम्राट की आज्ञा हो तो मैं इस प्रश्न का उत्तर देने को तैयार हूं। उस व्यक्ति ने मेज पर प्याले में रखें बर्फ के एक टुकड़े को उठाया तथा उसे अपने पास बैठे हुए एक व्यक्ति को देते हुए कहा, इसे अपने पास बैठे हुए व्यक्ति को दे दो। एक के बाद दूसरे के हाथों आगे बढ़ाते हुए इसे सम्राट के पास पहुंचाना है। देखते ही देखते बर्फ का टुकड़ा अनेक हाथों से होता हुआ सम्राट के हाथों में पहुंचा तो उसका आकार चौथाई हो चुका था। सम्राट ने पूछा, बर्फ का यह टुकड़ा यहां तक आते आते इतना छोटा कैसे हो गया? वृद्ध ने बताया कि बर्फ के टुकड़े की तरह ही प्रजा से वसूले गए कर की राशि सरकारी कोष में पहुंचते-पहुंचते चौथाई रह जाती है। सम्राट की शंका का समाधान हो गया। उन्होंने उसी समय भ्रष्ट कर्मचारियों की छंटनी कर दी। कुछ ही दिनों में राज्य की आय बढ़ने लगी।

प्रेरणास्पद

आम का पौधा

व्यक्ति को केवल अपने लाभ हानि तक ही सीमित नहीं रहना चाहिए। जो दूसरों के हित का ध्यान रखते हैं, उनके हित की ईश्वर स्वतः पूर्ति कर देते हैं।

एक राजा राज्य के भ्रमण पर निकला। रास्ते में उसने देखा कि एक वृद्ध व्यक्ति छोटा सा पौधा रोप रहा था। राजा ने उससे पूछा कि आप कौनसा पौधा लगा रहे हो? वृद्ध बोला-आम का। राजा कुछ देर सोचता रहा और फिर बोला कि इस पौधे को बड़े होने और फल आने में कई साल लग जाएंगे। तब तक क्या आप जीवित रहोगे? उसे लग रहा था कि वृद्ध ऐसा काम कर रहा है जिसका फल उसे नहीं मिलेगा। इस पर वृद्ध ने राजा को जवाब दिया कि आपको लग रहा होगा कि मैं पागलपन कर रहा हूं। जिस चीज से मुझे फायदा न हो, उस पर मेहनत करना बेकार है लेकिन जरा यह सोचिए कि मैंने दूसरों की मेहनत का कितना फायदा उठाया है?

दूसरों के लगाए पेड़ों के कितने फल खाए हैं? क्या उस कर्ज को उतारने के लिए मुझे कुछ नहीं करना चाहिए? क्या मुझे इस भावना से पेड़ नहीं लगाने चाहिए कि उनके फल दूसरे लोग खा सकें? राजन, जो केवल अपने लाभ के लिए ही काम करता है, वह स्वार्थी वृत्ति का मनुष्य होता है। वृद्ध की यह दलील सुनकर राजा प्रसन्न हो गया क्योंकि उसे आज बड़ी सीख मिली थी। बन्धुओं, दूसरों के हित साधन से उनके आशीष बड़ा काम कर जाते हैं। दूसरों का भला सोचने और उस पर अमल करने में ही जीवन की सार्थकता है।

सम्बल

सुगम हुई नरेन्द्र के जीवन की राह

जिन्दगी, उम्र और हालात के किस मोड़ पर कब कैसी करवट ले, कोई नहीं जानता। सब कुछ बदल जाता है, सिर्फ कुछ ही पलों में। **मध्यप्रदेश के अनूपपुर जिला के जमुड़ी कस्बे के नरेन्द्र रौतेल (32) के साथ वक्त ने कुछ ऐसा ही किया कि रफ्तार से चल रही जिन्दगी को अचानक ब्रेक लग गया, ट्रेन के पहियों ने दोनों पैर उससे छीन लिए।** नरेन्द्र 2016 में उड़ीसा के रेडाखोल में एक भवन निर्माण कम्पनी में सुपरवाईजर का काम करता था। नोटबंदी के दौरान वह घर पर पैसे भेजने के लिए ट्रेन से बैंक के लिए निकला। बामूर रेल्वे स्टेशन से थोड़ा पहले सिगनल न मिलने से ट्रेन रूकी हुई थी। पैसा भेजकर कार्यस्थल पर जल्दी पहुंचने की दृष्टि से वह ट्रेन से वहीं उतर ही रहा था कि ट्रेन चल पड़ी।

नरेन्द्र के दोनों पांव पहियों की चपेट में आ गये। ईलाज के दौरान दोनों पैर घुटने के नीचे से काटने पड़े। भुवनेश्वर, दिल्ली और मध्यप्रदेश में दो वर्ष तक ईलाज और मदद के लिए चक्कर लगाये पर सब जगह निराशा ही मिली। इसी दौरान भाई की मौत, भाभी का अन्यत्र चले जाना और खुद की दिव्यांगता दिन ब दिन घर की दयनीय दशा का कारण बनती जा रही थी। तभी उसे नारायण सेवा संस्थान की जानकारी मिली। वह 2019 में पहली बार संस्थान में आया जहां संस्थान की निदेशक वंदना अग्रवाल और प्रास्थेटिक एण्ड ऑर्थोटिक विभाग प्रमुख डॉ. मानस रंजन साहू ने हौसला दिया। कृत्रिम पांव लगाए, चलने की ट्रेनिंग दी साथ ही उसे कम्प्यूटर का बेसिक प्रशिक्षण भी दिया गया। 6 मार्च 2022 को संस्थान में ही सिलाई सीख रही सकलांग नीलवती के साथ

विवाह सम्पन्न हुआ। कुछ दिन पहले नरेन्द्र ने संस्थान से अनुरोध किया कि पति-पत्नी संयुक्त व्यापार शुरू कर परिवार के 8 जनों का भरण पोषण करना चाहते हैं। इसके लिए उसे अपने गांव से 2-3 किलोमीटर रोजाना आना जाना होगा और इतनी दूरी कृत्रिम अंग के सहारे तय करना दुभर है। **संस्थान ने दिव्यांग एवं निर्धन नरेन्द्र के परिवार को सशक्त एवं आत्मनिर्भर बनाने के लिए 6 जून को करीब एक लाख लागत की बेट्री ऑपरेटेड मोटराईज्ड व्हीलचेयर निःशुल्क भेंट की।** जो सड़क और घर दोनों जगह काम आ सकती है। मदद पाकर नीलवती और नरेन्द्र मुस्कुरा उठे।

टेढ़पन खत्म, हरगुन हुई चलने लायक

मानसिंह (40) निवासी कैथल हरियाणा की छोटी बेटी **हरगुन कौर(10) के दोनों पांव जन्म से ही घुटनो से मुड़े हुए थे। इस कारण चल-फिर नहीं पाती थी। उसे उठा कर एक जगह से दूसरी जगह ले जाना पड़ता था। इसी वजह से वह चाहते हुए भी स्कूल भी नहीं जा पाई। माता-पिता ने बहुत इलाज कराया और पैसे भी काफी खर्च किये पर कोई फायदा नहीं मिला।** नारायण सेवा संस्थान की जानकारी सोशल मिडिया से मिलने पर बेटी को लेकर मानसिंह 22 अप्रैल 2022 को नारायण सेवा संस्थान, उदयपुर आए। डॉक्टर द्वारा जाँच कर भर्ती किया गया और 24 अप्रैल को बाएं पाँव का ऑपरेशन कर प्लास्टर पट्टा बांधा गया। कुछ दिन बाद डिस्चार्ज किया गया। फिर 1 माह बाद 29 मई को पुनः आये और प्लास्टर हटाकर जाँच की और 1 जून 2022 को केलिपर्स पहनाया। मानसिंह के अनुसार इस 1 माह में हरगुन के पांव में पहले से बहुत सुधार दिखा और टेढ़ापन ठीक भी हुआ है।

दूसरे पांव का ऑपरेशन 2 जून को हुआ है। मुझे पूरा विश्वास है की पहले पांव की तरह ये पांव भी बिलकुल ठीक हो जायेगा और मेरी बेटी चलने - फिरने लगेगी। **मैं संस्थान का जितना धन्यवाद करूं उतना कम है। यहां पर सब सुविधाएं बिलकुल निःशुल्क मिली और साधकों का व्यवहार भी बहुत अच्छा था।**

कृत्रिम पैर पाकर नफीसा खुश

कोलकाता के मिलनशेख (33) के घर नफीसा का जन्म हुआ। परिवार में खुशी का माहौल था। लेकिन जब उसे करीब से देखा तो परिवार में मायूसी छा गई। पता चला कि **जन्म से ही बायां हाथ और पैर अर्द्ध विकसित हैं। माता-पिता की चिन्ता दिन-ब-दिन बढ़ती गई। खेती करने वाले पिता का एक-एक दिन काटना मुश्किल होने लगा। दिव्यांग बेटी के ईलाज के लिए जगह-जगह जाने लगे लेकिन धन के अभाव में हर जगह निराशा ही हाथ लगी।** कुछ महिने पहले परिजन नफीसा को लेकर कोलकाता के पोलियों हॉस्पिटल में इलाज हेतु गए तो डॉक्टर ने कहा - यह कभी चल नहीं पायेगी। व्हीलचेयर पर ही इसका जीवन निर्भर रहेगा। माता-पिता हताश होकर घर लौट आए। एक दिन सोशल मीडिया के जरिये पता चला कि उदयपुर में नारायण सेवा संस्थान में दिव्यांगों निःशुल्क में इलाज होता है तो उनके दिल में एक आस जगी।

संस्थान से सम्पर्क कर अपनी बेटी की व्यथा सुनाई। **3 जून 2022 को नफीसा को लेकर माता-पिता संस्थान आये तब संस्थान की चिकित्सकीय टीम ने जाँच की और पैर का नाप लेकर निःशुल्क कृत्रिम पैर बनाकर बेटी को पहनाया और कुछ दिन उसे चलने की ट्रेनिंग दी गई।** नफीसा सुल्ताना मुस्कुराते हुए आराम से जब चलने लगी तो माता-पिता के आंखों से खुशी के आंसू बह निकले।

दूसरे ऑपरेशन के बाद दौड़ेगी जकिया

इंदौर के खाजराणा मे यूनुस खान अंसारी (35) के घर 6 साल पहले अपनी पहली संतान के रूप में बेटी का जन्म एक हॉस्पीटल में हुआ। परिवार में खुशी का माहौल था। सभी के चेहरे खुशी से खिले थे। खुशी के पल कुछ ही देर में फर्श पर गिरे शीशे की तरह चूर हो गए। बेटी के **जन्म से ही दोनों पैरो के पंजो में टेढ़ापन था। इससे सभी बहुत दुःखी हुए, मन में तो बहुत से ख्याल आ रहे थे। फिर सोचा ऊपर वाले की मर्जी के आगे कोई क्या कर सकता है।** इन्दौर की एक कम्पनी में कार्यरत यूनुस खान ने बेटी का नाम जकिया रखा। परिवार 5 सदस्यों का है। दो लड़कियाँ हैं, छोटी बेटी अनामिया 3 साल की है और स्वस्थ है। जकिया को चलने -फिरने में बहुत तकलीफ होती थी। जन्म से ही ये कमजोर भी थी। 4 महीने की थी तब रीढ़ की हड्डी का ऑपरेशन हुआ। इंदौर में 4 साल तक इलाज चला। 10-12 हजार के विशेष जूते तक बनवाये, पैसे भी बहुत खर्च हुए पर कुछ फायदा नहीं हुआ। फिर दो - तीन महीने पहले इनके किसी रिश्तेदार ने नारायण सेवा संस्थान, उदयपुर के बारे में बताया कि ऐसे जन्मजात विकलांगों की निःशुल्क सेवा और चिकित्सा के लिए इस संस्थान का देश-विदेश अपना नाम और काम है।

इन्होंने सोशल मीडिया से भी जानकारी ली और 5 मई 2022 को पति-पत्नी बेटी जकिया को लेकर उदयपुर आ गए। 6 मई को डॉक्टर ने जाँच कर बताया कि ये चल नहीं पायेगी पर फिर भी कोशिश करते हैं। **7 मई 2022 को दाए पांव का सफल ऑपरेशन हुआ और प्लास्टर कर कुछ दिनों तक यहीं इलाज चला। जाकिया 11 मई को एक पांव जमीन पर रख कर धीरे-धीरे कुछ कदम चलने लगी तब पिता खुशी से उछल पड़े और डॉक्टर साहब को भी बुलाया और बताया कि देखिये बेटी चलने लगी है। डॉ. साहब बोले अब ये दौड़ेगी भी। यह सुन हमें बहुत खुशी हुई।** अब जकिया के दूसरे पांव के ऑपरेशन हेतु अगली तारीख पर फिर बुलाया गया है।

अन्न दान

विधवा माँ को मिला सहारा

मेरा नाम अम्बिका है। गत 36 साल से जंगलों व पहाड़ों की तलहटी में बसे सरूपाल पंचायत के मोर डूंगरी गाँव में रहती हूँ। **मेरे पति की कैंसर के कारण 7 फरवरी 2022 को मौत हो गई। मेरे 4 किशोरवय बच्चे है, हम सब बेसहारा हो गए है। क्योंकि पैसे थे वो पति के इलाज में खर्च हो गए।** इस वजह से मकान भी नहीं बना पाए और पति की मौत हो गई। अब भरण-पोषण करना भी बहुत कठिन हो गया है। घर ना होने के कारण अभी मैं बच्चों को लेकर जेठ जी के घर पर रह रही हूं। इनका भी परिवार है और ये भी मजदूरी करके गुजारा करते हैं। ऐसे में मेरे परिवार की भी जिम्मेदारी इन पर आ गई है। स्थिति बहुत खराब है। कुछ दिनों पहले नारायण सेवा संस्थान ने गाँव में सर्वे किया था। जिसमे मेरी पीड़ा की जानकारी गांव वालों ने उन्हें बताई। **संस्थान परिवार ने हमें राशन सामग्री (जिसमें आटा, दाल, नमक मसाले ,तेल शक्कर, चायपत्ती) आदि दी। इससे कठिनाई कुछ आसान हुई है।**

वसुधैव कुटुम्बकम्

मानव सेवा में बाधक नहीं, सरहदें

तंजानिया में कृत्रिम अंग माप शिविर

'कोई न रहे अपाहिज'-'कोई न रहे लाचार' की उक्ति को चरितार्थ करते आपके अपने नारायण सेवा संस्थान ने सरहदों के पार तंजानिया (द. अफ्रीका) के दिव्यांगों को मदद पहुंचाने के लिए दो दिवसीय कृत्रिम अंग एवं कैलीपर माप शिविर 11 व 12 जून को 'द इन्डो तंजानिया कलचरल सेन्टर' में आयोजित किया। इस शिविर के सौजन्य का पुण्य लाभ लिया श्री लोहाना महाजन और लाल बंग परिवार के भरत भाई परमार ने जो संस्थान संरक्षक के रूप में वर्षों से संस्थान से जुड़े हैं। आपके प्रयासों से तंजनिया के दिव्यांगों को नारायण सेवा की प्रशिक्षित प्रोस्थेटिक एण्ड ऑर्थोटिस्ट टीम की सेवाएं सम्भव हुई।

आयोजक परिवार ने तंजानिया के दुर्घटनाग्रस्त गरीब दिव्यांगों को ज्यादा से ज्यादा मदद पहुंचाने के लिए आस-पास के क्षेत्रों में विभिन्न माध्यमों से भरपूर प्रचार - प्रसार करवाया। जिसके परिणाम स्वरूप पहले दिन 11 जून को 111 लोगों की ओपीडी हुई और उन सभी को कृत्रिम हाथ-पैर व कैलीपर के लिए चयनित करते हुए मेजरमेंट लिया गया। दूसरे दिन डॉ. मानस रंजन साहू की टीम ने 101 की ओपीडी करते हुए 35 दिव्यांगों का माप लिया। इस तरह 165 का कृत्रिम अंग व 13 का केलीपर बनाने के लिए माप लिया गया। इन सभी रोगियों के माप के अनुसार उदयपुर स्थित सेन्ट्रल फेब्रीकेशन यूनिट में अत्याधुनिक आर्टीफिशियल लिम्ब निर्मित किए जाएंगे।

आयोजक मण्डल की निर्धारित तिथि को पुनः फोलोअप केम्प लगाकर सभी रोगियों को कृत्रिम अंग पहनाए जायेंगे। केम्प की सफलता पर प्रसन्नता जाहिर करते हुए अध्यक्ष प्रशान्त अग्रवाल ने कहा कि नारायण कृपा से मदद की आशा में चाहे कितना भी दूर हो, उस तक पहुंचकर सहायता पहुंचाई जाएगी। शिविर में तरूण नागदा, सुशील कुमार और अनिल पालीवाल का विशेष सहयोग रहा।

शिविर की सेवा झलकियां

दुर्घटना में पैर खो चुका युवक अपनी बारी का इंतजार करते हुए

मैजरमेंट लेते पीएण्डओ विभाग के डॉ. मानस रंजन साहू

रोगी जन निःशुल्क भोजन करते हुए

माप के लिए आए सैकड़ों निःशक्तजन

कृत्रिम अंग सेवा

देश के विभिन्न प्रदेशों में निःशुल्क सेवा शिविर

> व्यस्त जिन्दगी में पैदल या वाहन पर चलते अथवा घर में ही घटी दुर्घटना में व्यक्ति कभी अपने हाथ-पांव भी गंवा बैठता है। ऐसे में उसके लिए तो जीवन बोझ बन ही जाता है, परिवार के सामने में भी मुश्किलों का पहाड़ खड़ा हो जाता है। ऐसे लोगों को दुःखदायी जिन्दगी से उबारने के लिए संस्था दानदाताओं के सहयोग से प्रतिदिन निःशुल्क अत्याधुनिक कृत्रिम अंग मुहैया करवा रही है, इससे सैकड़ों दिव्यांग फिर से गतिमान हुए हैं और उनके परिवारों में खुशियां लौट आई हैं। मई में भी अनेक शहरों में संस्थान ने कृत्रिम अंग माप वितरण एवं निःशुल्क ऑपरेशन के लिए चयन शिविर आयोजित किए।

पाली

रोटरी क्लब, बापू नगर के सहयोग से पाली (राज.) में 1 मई को दिव्यांग जांच, ऑपरेशन चयन एवं कृत्रिम अंग माप शिविर आयोजित किया गया। जिसमें 9-9 दिव्यांगों के लिए कृत्रिम अंग व कैलीपर बनाने का माप डॉ. नेहा अग्निहोत्री ने लिया, जबकि दो दिव्यांगों का निःशुल्क ऑपरेशन के लिए डॉ. सिद्धार्थ लाम्बा ने जांच कर चयन किया। मुख्य अतिथि एवं आयोजक रोटरी क्लब के ए.जी. श्री गौतमचंद जी कवाड थे। अध्यक्षता मांगीलाल गांधी ने की। विशिष्ट अतिथि सर्वश्री राजेन्द्र जी सुराणा व वर्धमान जी भण्डारी थे। शाखा संयोजक कान्तिलाल मूथा ने अतिथियों का स्वागत व संयोजन लाल सिंह भाटी ने किया।

अलीगढ़

हेड्स फॉर हेल्प के सौजन्य से अलीगढ़ (उ.प्र.) में 7-8 मई को कृत्रिम अंग वितरण शिविर सम्पन्न हुआ। डॉ. एस. बाल मन्दिर, दुबे का पड़ाव में आयोजित शिविर के मुख्य अतिथि सीएमएचओ डॉ. के वर्मा व विशिष्ट अतिथि डॉ. अमित गुप्ता, डॉ भरत वैष्णव व डॉ. मनोज गर्ग थे। अध्यक्षता डॉ. सुनील कुमार ने की। कृत्रिम अंग व कैलीपर पहिनाने का कार्य डॉ. नेहा व टेक्नीशियन

नाथू सिंह व उत्तम सिंह ने किया। शिविर प्रभारी अखिलेश अग्निहोत्री के अनुसार कुल पंजीयन 116 दिव्यांगजन का हुआ। इनमें से 77 को कृत्रिम हाथ-पैर व 39 को कैलीपर मुहैया करवाए गए।

सासाराम रीना देवी मेमोरियल चेरीटेबल ट्रस्ट, मोहनियां के सौजन्य से सासाराम (बिहार) में 8-9 मई को सम्पन्न कृत्रिम अंग वितरण शिविर में 26 दिव्यांगजन को कृत्रिम अंग व 20 को कैलीपर उपलब्ध करवाए गए। मुख्य अतिथि समाजसेवी श्री अमित सिंह व विशिष्ट अतिथि श्री सौरभ जी व कुमार मणि तिवारी थे। अध्यक्षता डॉ. प्रेम शंकर पाण्डे ने की। संचालन शिविर के प्रभारी लाल सिंह भाटी ने किया। दोनों ही शिविरों में पी.एण्ड.ओ. डॉ. पंकज व टेक्नीशियन भंवर सिंह ने कृत्रिम अंग व कैलीपर पहिनाने की सेवाएं दी।

सहारनपुर सहारनपुर (उ.प्र.) के जैन समाज व पार्श्वनाथ सेवा संघ के सहयोग से जैन धर्मशाला में 10-11 मई को दिव्यांगजन जांच, चयन व कृत्रिम अंग माप शिविर का आयोजन सहारनपुर के आयुक्त श्री ज्ञानेन्द्र सिंह के मुख्य आतिथ्य में सम्पन्न हुआ। इसमें कुल 272 दिव्यागजन का पंजीयन हुआ। जिनमें से डॉ. सिद्धार्थ ने जांच कर 40 का निःशुल्क सर्जरी के लिए चयन किया। पी.एण्ड.ओ. डॉ. रामनाथ ठाकुर व टेक्नीशियन किशन सुथार ने 109 दिव्यांगजन के लिए कृत्रिम अंग व 55 के कैलीपर बनाने का माप लिया। विशिष्ट अतिथि सर्वश्री राकेश जैन, अविनाश जैन व अंकित जैन थे। अध्यक्षता जैन समाज के अध्यक्ष श्री राजेश कुमार ने की। अतिथियों का स्वागत प्रभारी हरिप्रसाद लद्ढा ने किया।

बरेटा पंजाब के मानसा जिले के बरेटा में दो दिवसीय कृत्रिम अंग वितरण शिविर 15-16 मई को सम्पन्न हुआ। बिग हॉप फाउण्डेशन, बरेटा के सहयोग से सचखण्ड गुरूद्वारा साहिब में आयोजित शिविर के उद्घाटन कर्त्ता एवं मुख्य अतिथि विधायक जसविंदर सिंह थे। विशिष्ट अतिथि

बिग हॉप फाउण्डेशन के अध्यक्ष श्री मनिन्दर सिंह, श्री सुरेश कुमार, श्री रणजीत सिंह व श्री कुलदीप सिंह थे।

शिविर प्रभारी अखिलेश अग्निहोत्री के अनुसार पी.एण्ड.ओ. नेहा अग्निहोत्री, टेक्नीशियन नरेश वैष्णव व उत्तम सिंह ने कृत्रिम अंग वितरण में सहयोग किया। शिविर में कुल 207 दिव्यांगजन का पंजीयन हुआ, जिनमें से 169 को कृत्रिम हाथ अथवा पैर तथा 24 को कैलीपर उपलब्ध करवाए गए।

ग्वालियर लॉयन्स क्लब आस्था, ग्वालियर (म.प्र.) के सहयोग से कैंसर हॉस्पीटल-आमखों में 17 मई को दिव्यांग जांच, चयन एवं कृत्रिम अंग माप शिविर में दिव्यांगता सुधारात्मक सर्जरी के लिए डॉ. सिद्धार्थ लाम्बा ने 6 दिव्यांगजन का चयन किया। जबकि पी.एण्ड.ओ. डॉ. रामनाथ ठाकुर व टेक्नीशियन किशन सुथार ने 55 दिव्यांगजन के कृत्रिम अंग व 20 के कैलीपर बनाने का माप लिया। मुख्य अतिथि कैंसर हॉस्पीटल के निदेशक डॉ. बी. आर. श्रीवास्तव थे।

अध्यक्षता लॉयन्स क्लब-आस्था की अध्यक्ष श्रीमती रजनी अग्रवाल ने की। विशिष्ट अतिथि सर्वश्री जगदीश शरण गुप्ता, श्री तालिब खान व श्री रमेश श्रीवास्तव थे। संचालन हरिप्रसाद लद्ढा ने किया।

भिण्ड

विमला देवी स्पेशल विद्यालय, जामना भिण्ड (म.प्र.) में 22 मई को श्री शिवभान सिंह जी के सहयोग से कृत्रिम अंग वितरण शिविर सम्पन्न हुआ। जिसमें 36 दिव्यांगजन को कृत्रिम अंग व 26 को केलीपर उपलब्ध कराए गए। शिविर प्रभारी मुकेश शर्मा के अनुसार मुख्य अतिथि एडीएम श्री प्रवीण कुमार फुलपगारे थे।

अध्यक्षता आयोजक व सहयोगकर्त्ता श्री शिवभान सिंह ने की। विशिष्ट अतिथि सर्वश्री शिवप्रताप सिंह, पवन शास्त्री, उपेन्द्र व्यास व हर्ष वर्धन जी थे। पी.एण्ड.ओ. डॉ. रामनाथ ठाकुर व टेक्नीशियन भंवर सिंह ने माप के अनुसार कृत्रिम अंग उपलब्ध करवाए।

गाडरवारा

पं. दीनदयाल उपाध्याय सभागृह गाडरवारा जिला नरसिंहपुर (म.प्र.) में महन्त डॉ. प्रज्ञा भारती जी के मुख्य आतिथ्य में 24-25 मई को कृत्रिम अंग वितरण शिविर आयोजित हुआ। जिसमें 113 दिव्यांगजन को कृत्रिम अंग व 15 को कैलीपर प्रदान किए गए।

पी.एण्ड.ओ. डॉ. रामनाथ ठाकुर व टेक्नीशियन टीम ने माप के अनुसार कृत्रिम अंग पहनाए। शिविर की अध्यक्षता श्री धनंजय द्विवेदी ने की। विशिष्ट अतिथि सर्वश्री समर सिंह तोमर, दीपेश निगम, शमशेर सिंह, अनूप योद्धा, जयेन्द्र सिंह तोमर, अभिषेक निगम व धर्मेन्द्र जी थे। अतिथियों का स्वागत प्रभारी हरिप्रसाद लद्ढा ने किया।

होशंगाबाद

लॉयन्स क्लब, ग्वालियर-आस्था के सहयोग से 29-30 मई को अग्निहोत्री गार्डन होशंगाबाद (म.प्र.) में आयोजित कृत्रिम अंग वितरण शिविर में 135 दिव्यांगजन को कृत्रिम अंग व 32 को केलीपर वितरित किए गए। मुख्य अतिथि के रूप में भागवताचार्य पं. सोमेश परसाई जी का गरिमामयी सानिध्य प्राप्त हुआ।

अध्यक्षता धनलक्ष्मी मर्चेन्टडाइज के प्रबंधक श्री समर सिंह जी ने की। विशिष्ट अतिथि सर्वश्री रोटरी क्लब के अध्यक्ष प्रदीप गिल्ला, विपिन जैन, शील सोनी, राजीव जैन व समीर हरडे थे। संयोजन श्री आशीष अग्रवाल ने किया। संस्थान की ओर से अस्थिरोग विशेषज्ञ डॉ. सिद्धार्थ लाम्बा, पी.एण्ड.ओ. डॉ. रामनाथ ठाकुर व प्रभारी हरिप्रसाद लद्ढा भी उपस्थित थे।

शेगांव

महाराष्ट्र के बुलढाणा जिला के शेगांव में 29-30 मई को रोटरी क्लब के सहयोग से कृत्रिम अंग वितरण शिविर सम्पन्न हुआ। जिसमें संस्थान के पी.एण्ड.ओ. डॉ. नेहांश मेहता व टेक्नीशियन भंवर सिंह ने 142 दिव्यांगजन को कृत्रिम अंग व 29 को केलीपर पहनाए। माउली संस्था के अध्यक्ष श्री ज्ञानेश्वर जी पाटील मुख्य अतिथि थे।

अध्यक्षता उद्यमी श्री रमेशचन्द्र जी ने की। विशिष्ट अतिथि सर्वश्री विजय कुमार जी, रोटरी क्लब अध्यक्ष आशीष कुमार व श्री दिलीप जी भूतड़ा थे। अतिथियों का स्वागत संस्थान की शेहगांव शाखा के संयोजक श्री नंदलाल मूंदड़ा ने किया। प्रभारी मुकेश शर्मा ने धन्यवाद ज्ञापन किया। माहेश्वरी भवन प्रांगण में आयोजित शिविर में सुनील श्रीवास्तव, कपिल व्यास, हरीश रावत, प्रवीण यादव आदि ने व्यवस्था में सहयोग किया।

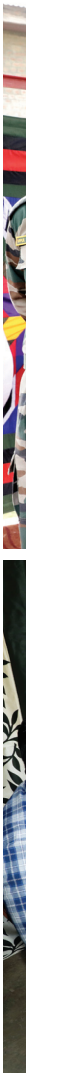

सेना ने निर्वाह किया सामाजिक सरोकार

श्रीनगर (जम्मू-कश्मीर) में 34 असम राईफल्स के सहयोग से गुण्ड-गांदरबल जिले में त्रिदिवसीय दिव्यांग जांच, चयन एवं कृत्रिम अंग माप शिविर 21-23 मई को सम्पन्न हुआ। जिसमें डॉ. अंकित चौहान ने 157 दिव्यांगों की जांच कर 34 का निःशुल्क सर्जरी के लिए चयन किया। पी.एण्ड.ओ. डॉ. मानस रंजन साहू व टेक्नीशियन सुशील कुमार ने 90 दिव्यांगजन के लिए कैलीपर व 10 के कृत्रिम अंग बनाने के माप लिये। शिविर का उद्घाटन मुख्य अतिथि असम राईफल्स के कमाण्ड ऑफिसर कर्नल राजेन्द्र कराकोटी व मेजर अनूप कुमार ने किया। स्वागत संस्थान अध्यक्ष सेवक प्रशान्त भैया ने किया। निदेशक वंदना अग्रवाल ने आभार प्रदर्शन किया। शिविर प्रभारी लाल सिंह भाटी के निर्देशन में दिलीप सिंह चौहान, फतहलाल, मुकेश त्रिपाठी, बहादुर सिंह मीणा व देवीलाल मीणा की टीम ने शिविर के व्यवस्थित संचालन में सहयोग किया।

भक्ति सुधा

भगवान से भिन्न कुछ भी नहीं

मनुष्य को जो ज्ञान श्रीमद् भागवत जी के पारायण और श्रवण से प्राप्त होता है, वह जीवन को सार्थक बना देता है। इसी उद्देश्य से संस्थान पिछले कई वर्ष से देश के नगर, कस्बे और ढाणियों में श्रीराम, श्रीशिव और कृष्ण कथाओं के आयोजन नियमित रूप से करता रहा है। मई माह में मुरैना व वृंदावन धाम में श्रीमद् भागवत जी पारायण के सप्त दिवसीय भव्य आयोजन हुए।

मां बहरारा मन्दिर, कोंडा

मुरैना (म.प्र.) की कैलारस तहसील के मां बहरारा मन्दिर में 14 से 20 मई तक श्रीमद् भागवत कथा का प्रतिदिन तीन घण्टे पारायण हुआ। जिसमें दूर दराज गांवों से भी श्रद्धालुओं का सैलाब उमड़ पड़ा। 'संस्कार चैनल' पर सीधा प्रसारण होने से लोगों ने घर बैठे ज्ञान-गंगा का सानिध्य प्राप्त किया। व्यास पीठ पर बिराजित पूज्य श्री रमाकांत जी महाराज ने कहा कि श्रीमद् भागवत जी के पारायण-श्रवण से जीवन-धर्म सम्बंधी नाना प्रकार के प्रश्नों का उत्तर सहज प्राप्त होता है,जिससे मानव धन्य होकर अपने जन्म को सार्थक कर लेता है। कथा सौजन्य कर्त्ता श्री विश्वंभर दयाल जी धाकड़ परिवार (कोंडा) ने व्यासपीठ व श्रीमद् भागवत जी की आरती कर अपने आपको धन्य किया।

बृजसेवा धाम, वृंदावन

राधा गोविन्द मन्दिर, श्री बृज सेवा धाम वृंदावन (उ.प्र.) में 10 से 16 मई तक श्रीमद् भागवत ज्ञान कथा यज्ञ का आयोजन सानन्द सम्पन्न हुआ। जिसका 'आस्था चैनल' से सीधा प्रसारण हुआ। कथा व्यास पूज्य बृजनंदन जी महाराज ने श्रीमद् भागवत जी के पारायण व श्रवण की महत्ता बताते हुए कहा कि यह जीवन को सार्थकता प्रदान करने वाला ग्रंथ है। उन्होंने कहा कि मानव जीवन का एक मात्र लक्ष्य है-स्वकल्याण अर्थात जन्म-मरण के बंधन से मुक्त होना अथवा भगवत प्राप्ति करना। जीवन में समग्र सफलता एवं शान्ति केवल आध्यात्मिक विचारों व चिंतन से ही संभव है।श्रीमद् भागवत से मिन्न जो कुछ प्रतीत होता है, वह मिथ्या ही है।

सेवा सम्मान

अन्तर्राष्ट्रीय अवार्ड समारोह दिल्ली-2022

मानवीय कार्यों के लिए श्रेष्ठीजन सम्मानित

ऐसे जन जिनकी सज्जनता से समाज सुधर जाये, मानवता मुस्कुरा उठे तो चारों तरफ से उनके व्यक्तित्व का यशगान होने लगता है। हर कोई उनको अपने बीच पाकर गौरवान्वित महसूस करता है। ऐसा ही पुनीत मौका था 29 मई को दिल्ली के ईस्कान टेम्पल का जिसमें एक नहीं 90 से अधिक बहुमुखी प्रतिभा के धनी समाजसेवियों को मंच पर अवार्ड, प्रशंसा पत्र, उपरणा, पगड़ी आदि भेंट कर सम्मानित किया गया। इस गरिमामय समारोह की शोभा बढ़ाने में मंचासीन अतिथि राजस्थान प्रदेश भाजपा के उपाध्यक्ष ज्ञानदेव जी आहूजा, दिल्ली के सुप्रसिद्ध उद्योगपति एवं समाज सेवी सत्यभूषण जैन, दक्षिणी दिल्ली के सम्मानित महापौर राजपाल सिंह जी, सी.बी.आई. के पूर्व निदेशक डी.आर. कार्तिकेयन जी और भागवत कथाकार रमाकांत जी महाराज थे। अतिथियों का स्वागत संस्थान अध्यक्ष प्रशान्त अग्रवाल ने किया। समारोह में आये 250 से अधिक अतिथियों के परिवारों ने प्रत्येक अवार्डी के लिए तालियां बजाकर अभिनन्दन किया। समारोह के अन्त में आभार प्रदर्शन निदेशक वंदना अग्रवाल ने तथा संचालन महिम जैन ने किया।

सेवायात्रा

झीनी-झीनी रोशनी (38)

नारायण सेवा संस्थान के संस्थापक - चेयरमैन पूज्य गुरूदेव श्री कैलाश जी 'मानव' का सेवा संस्कारों से पोषित जीवन समाज के लिए अनुकरणीय है। श्री कैलाश जी के निकट रहे वरिष्ठ पत्रकार श्री सुरेश गोयल ने उनके जीवन-वृत को 'झीनी-झीनी रोशनी' पुस्तक में प्रस्तुत किया है।

उसे यह भी पता चल गया कि इन्होंने कभी खून दिया नहीं हैं, इसलिए डर रहे हैं। कैलाश ने अब दूसरा तरीका अपनाया। गुस्सा छोड़ समझाईश की भाषा अपनाते हुए उसने बताया कि आपको पता भी नहीं चलेगा कि आपका खून कब और कैसे निकाला गया। आपने कभी खून दिया नहीं है इसलिए डर रहे हो। सोचो, अगर आपने खून नहीं दिया और पिताजी को कुछ हो गया तो जिन्दगी भर आप अपनी इस गलती पर पछताते रहोगे।

कैलाश की बातों का असर यह हुआ कि दोनों खून देने को तैयार हो गये। उन्होंने अपनी गाड़ी वापस मोड़ी और अस्पताल पहुंचे। डॉक्टर इनके ह्रदय परिवर्तन से बहुत खुश हुआ। उसने कैलाश को धन्यवाद दिया और इस बात पर बल दिया कि लोगों को खून देने के बारे में शिक्षित और प्रोत्साहित करने की बहुत जरूरत है। डॉक्टर की बात से कैलाश के मन के कोने में भी भविष्य में इस तरह का कोई कार्यक्रम हाथ में लेने की योजना बनने लगी।

दोनों जमाईयों ने खून दे दिया तो बहुत प्रसन्न हो गये। वे अब कहने लगे कि हम व्यर्थ में ही डर रहे थे। उन्होंने कैलाश का बहुत आभार माना और कहा कि अगर आप हमारी आंखें नहीं खोलते तो शायद हम पिताजी को खो देते। खून देना इतना आसान है यह तो हमें पता भी नहीं था, भविष्य में अब कभी भी, किसी को भी खून देने में आना कानी नहीं करेंगे। कैलाश को अपने परिश्रम का ऐसा फल देख कर खुशी हुई। कैलाश घर लौटा और अपना अनुभव कमला को बताया तो वह भी खुश हुई। खाना खाने के बाद कैलाश सुस्ताने लगा मगर मन अस्पताल में ही भटक रहा था। थोड़ी देर वह यूं ही पड़ा रहा और सोने की कोशिश की मगर नींद उसकी आंखों से कोसों दूर थी। वह बाहर निकला और अस्पताल का रास्ता पकड़ लिया। रात घिर आई थी, अस्पताल के पास वह पहुंचा तो अंधेरे में किसी के कराहने की आवाज सुन वह चौकन्ना हो गया, उसने इधर-उधर निगाह डाली तो कहीं कोई नजर नहीं आया मगर.....

क्रमशः

संस्थान के दानवीर भामाशाहों का हार्दिक आभार

श्री राजेन्द्र कुमार वर्मा
स्व. श्रीमती निर्मला देवी
दुर्ग (छत्तीसगढ़)

श्रीमती एवं श्री ललित जैन
मुम्बई (महाराष्ट्र)

श्री तुलसी राम शर्मा एवं
स्व. श्रीमती बरफी देवी
मण्डी (हिमाचल प्रदेश)

ठा.श्री अभय सिंह राठौड़ एवं
पुत्री श्रीमती बीना सिंह
जयपुर (राजस्थान)

स्व. श्री भरत
कुमार भडांवली
दिल्ली

स्व.श्रीमती रामवेटी
आगरा
(उत्तर प्रदेश)

स्व. श्रीमती
धर्मदेवी, फतेहाबाद
(हरियाणा)

स्व.श्रीमती रामवेटी
आगरा
(उत्तर प्रदेश)

स्व. श्री सुरेश
राव कन्नमवार,
गढ़चिरोली (महा.)

शाखा प्रेरणा स्त्रोत माह अप्रैल, 2022

शाखा संयोजक
डॉ. विवेक गर्ग
कैथल (हरियाणा)

सेवा प्रेरक
श्री धरमपाल सैनी
फरीदाबाद (हरियाणा)

सेवा प्रचारक
श्रीमती जगरोशन
कुमारी गुप्ता,दिल्ली

रक्तदान-महादान

कैथल में 101 यूनिट रक्त संग्रहण

संस्थान की कैथल शाखा द्वारा 22 मई को निःशुल्क रक्तदान शिविर का आयोजन परम पूज्य गुरुदेव श्री कैलाश जी मानव की प्रेरणा से सम्पन्न हुआ। इसमें 101 यूनिट रक्त एकत्रित हुआ, जो कि सिविल हॉस्पिटल में गरीब लोगों के इलाज के लिए दिया गया। रक्तदान शिविर के मुख्य अतिथि जाने-माने यूरोलॉजिस्ट डॉक्टर सुनील मित्तल जी थे। एसपी (जेल) कैथल श्री संजय बांगड़ जी,प्रोफेसर एल एम बिंदलिश जी, श्री लाजपत सिंगला जी, डॉक्टर ओपी गर्ग जी विशिष्ट अतिथि एवं शहर के गणमान्य नागरिकों की उपस्थित में शिविर का शुभारम्भ हुआ। मुख्य अतिथि ने कैथल में नारायण सेवा संस्थान द्वारा किये जा रहे सेवा प्रकल्पों की प्रशंसा करते हुए अपने सहयोग का भी आश्वासन दिया। शिविर में रक्त दाताओं ने बढ़-चढ़कर काफी उत्साह दिखाया तथा मानवीय सेवाओं के लिए संस्थान का आभार व्यक्त किया।

अंतहीन संभावनाएं - दिव्यांगता राहत के विभिन्न आयाम

चिकित्सा

- निदान (एक्स रे, ओपीडी, लैब)
- उपचार (कृत्रिम अंग और कैलिपर्स)
- पोस्ट ऑपरेटिव केयर (वार्ड, आईसीयू)
- चिकित्सा सहायता (फार्मेसी एवं फिजियोथेरेपी)

स्वावलम्बन

- हस्तकला और शिल्पकला
- सिलाई प्रशिक्षण
- डिजिटल (कंप्यूटर) प्रशिक्षण
- मोबाइल फोन रिपेयर प्रशिक्षण
- नारायण चिल्ड्रन एकेडमी (नि:शुल्क डिजिटल स्कूल)

● 450 बेड का नि:शुल्क सेवा हॉस्पीटल ● 7 मंजिला अतिआधुनिक सर्वसुविधायुक्त
● नि:शुल्क ओपीडी,जांच एवं शल्य चिकित्सा ● नि:शुल्क कृत्रिम अंग निर्माण कार्यशाला

**कृपया 1 लाख रू.
का सहयोग देकर
अपने परिजनों का नाम
स्वर्ण अक्षरों में अंकित कराएं**

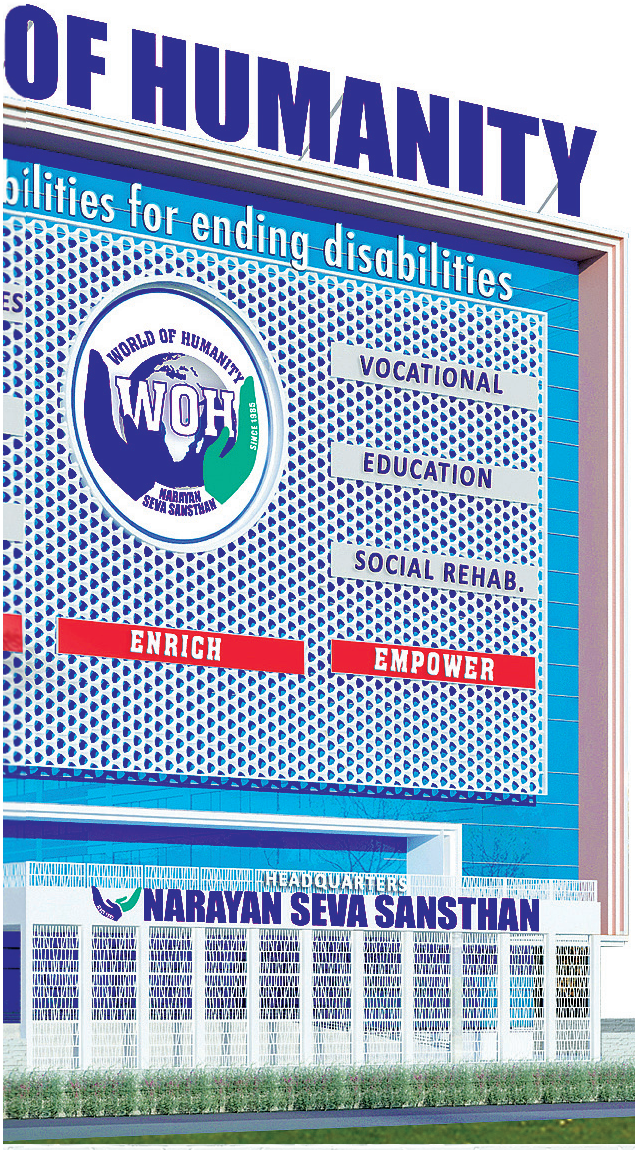

सशक्तिकरण

- दिव्यांग विवाह समारोह
- दिव्यांग हीरोज
- दिव्यांग खेल अकादमी
- दिव्यांग संगोष्ठी - सेमिनार
- इंटर्नशिप वॉलंटियर

सामुदायिक सेवाएं

- आदिवासी और ग्रामीण शिक्षा
- वस्त्र वितरण
- दृश्य एवं श्रवण बाधित के लिए आवासीय विद्यालय
- भोजन सेवा
- राशन वितरण
- वस्त्र और कंबल वितरण
- दवा वितरण

- प्रज्ञाचक्षु , विमंदित, मूकबधिर, अनाथ एवं निर्धन बच्चों का निःशुल्क आवासीय विद्यालय
- व्यावसायिक प्रशिक्षण • बस स्टेण्ड से मात्र 700 मीटर दूर • रेल्वे स्टेशन से 1500 मीटर दूर

भारत में संचालित संस्थान शाखाएं

राजस्थान

पाली
श्री कान्तिलाल मूथा,07014349307
31, गुलजार चौक, पाली मारवाड़

.....

श्री मनोज कुमार मेहता,
मो.-09468901402
मकान नं. 5डी-64, हाउसिंग बोर्ड जोधपुर रोड के पास, पानी की टंकी, पाली

भीलवाड़ा
श्री शिव नारायण अग्रवाल
09829769960 C/o नीलकण्ठ पेपर स्टोर, L.N.T. रोड़, भीलवाड़ा-311001

बहरोड़
डॉ. अरविन्द गोस्वामी,09887488363
'गोस्वामी सदन' पुराने हॉस्पीटल के सामने बहरोड़, अलवर (राज.)

श्री भुवनेश रोहिल्ला,मो. 8952859514,
लेडिज फैशन पोईन्ट, न्यू बस स्टैण्ड के सामने यादव धर्मशाला के पास, बहरोड़, अलवर

अलवर
श्री आर.एस. वर्मा, 07300227428
के.वी. पब्लिक स्कूल,
35 लादिया,बाग अलवर

जयपुर
श्री नन्द किशोर बत्रा,09828242497
5-C, उन्नति एन्क्लेव, शिवपुरी, कालवाड़ रोड़,झोटवाड़ा, जयपुर 302012

अजमेर
श्री सत्य नारायण कुमावत,09166190962
कुमावत कॉलोनी, आर्य समाज के पीछे, मदनगंज,किशनगढ़, अजमेर

बूंदी
श्री गिरिधर गोपाल गुप्ता,09829960811,
ए.14,'गिरधर-धाम', न्यू मानसरोवर कॉलोनी, चित्तौड़ रोड़, बून्दी

झारखण्ड

हजारीबाग
श्री डूंगरमल जैन,मो.-09113733141
C/o पारस फूड्स, अखण्ड ज्योति ज्ञान केन्द्र, मेन रोड़ सदर थाना गली, हजारीबाग

.....

श्री भगवानदास गुप्ता-09234894171
07677373093 गांव-नापो खुर्द,पो.-गोसाई बलिया,जिला-हजारीबाग

रामगढ़
श्री जोगिन्दर सिंह जग्गी,मो. 7992262641
44ए, छोटकी मुरीम, नजदीक उमा इन्सीट्यूट राजीव सिनेमा रोड़, बिजुलिया, रामगढ़

धनबाद
श्री गोपाल कुमार,
9430348333, आजाद नगर, भूलीनगर

मध्य प्रदेश

उज्जैन
श्री गुलाब सिंह चौहान
मो. 09981738805, गाँव एवं
पो. इन्गोरिया, उज्जैन 456222

रतलाम
श्री चन्द्र पाल गुप्ता
मो. 9752492233,मकान नं. 344,
काटजूनगर, रतलाम

जबलपुर
श्री आर. के. तिवारी,मो. 9926660739
मकान नं. 133, गली नं. 2, समदड़िया ग्रीन सिटी,माढ़ोताल, जिला - जबलपुर

मन्दसौर
श्री मनोहर सिंह देवड़ा
मो. 9753810864,म.नं. 153, वार्ड नं. 6,
ग्राम-गुराड़िया,पोस्ट-गुराड़ियादेदा,
जिला - मन्दसौर

भोपाल
श्री विष्णु शरण सक्सेना
मो. 09425050136, ए-3/302, विष्णु हाईटेक सिटी, अहमदपुर
रेल्वे क्रॉसिंग के सामने, बावड़िया कलाँ,
होशंगाबाद रोड़ जिला - भोपाल

बखतगढ़
श्री सुरेन्द्र सिंह सोलंकी,08989609714,
बखतगढ, त.-बदनावर,जि.-धार

हरियाणा

कैथल
डॉ. विवेक गर्ग,मो. 9996990807,गर्ग मनोरोग एवं दांतो का हस्पताल के अन्दर पद्मा मॉल के सामने करनाल रोड़, कैथल

.....

श्री सतपाल मंगला
मो. 09812003662-3
68-ए, नई अनाज मंडी, कैथल

सिरसा
श्री सतीश मेहता मो. 9728300055
म.न.-705, से.-20,पार्ट-द्वितीय,सिरसा

जुलाना मण्डी
श्री मनोज जिन्दल मो. 9813707878,108
अनाज मण्डी, जुलाना,जींद

पलवल
श्री वीर सिंह चौहान मो.9991500251
विला नं. 228, ओमेक्स सिटी,
सेक्टर-14, पलवल

फरीदाबाद
श्री नवल किशोर गुप्ता
मो. 09873722657, कश्मीर स्टेशनरी स्टोर, दुकान नं. 1डी/12,
एन.आई.टी., फरीदाबाद, हरियाणा

करनाल
श्री सतीश शर्मा,मो. 09416121278
म.नं. 886, सेक्टर-7, अरबन एस्टेट करनाल

अम्बाला
श्री मुकुट बिहारी कपूर,मो. 08929930548
मकान नं.- 3791, ओल्ड सब्जी मण्डी, अम्बाला केन्ट-133001

नरवाना
श्री राजेन्द्र पाल गर्ग
मो. 09728941014
165-हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी,
नरवाना, जीन्द

गोवा

गोवा
श्री अमृत लाल दोषी,मो. 07798917888
'दोषी निवास' जैन मन्दिर के पास,
पजीफोन्ड, मडगांव गोवा-403601

महाराष्ट्र

आकोला
श्री हरिश जी, मो.नं. - 9422939767
आकोट मोटर स्टेण्ड, आकोला

परभणी
श्रीमती मंजु दरड़ा-मो. 09422876343

नांदेड़
श्री विनोद लिंबा राठोड,07719966739
जय भवानी पेट्रोलियम,मु. पो. सारखानी, किनवट, जिला - नांदेड़

पाचोरा
श्री सीताराम जी-मो. 9422775375

मुम्बई
श्रीमती रानी दुलानी,न.-028847991
9029643708,10-बी/बी, वाईसराय पार्क,ठाकुर विलेज कान्दीवली,मुम्बई

.....

श्री प्रेम सागर गुप्ता ,मो. 9323101733
सी-5, राजविला, बी.पी.एस. 2
क्रोस रोड़,वेस्ट मुलुंड, मुम्बई

भायंदर
श्री कमलचंद लोढा, मो. 8080083655
ए/103, 'देव आंगन' जैन मन्दिर रोड़ बावन जिनालय मन्दिर के पास,
भायंदर (पश्चिम) ठाणे-401101

बोरीवली
श्री प्रवीण भाई गिरधर भाई परमार
मो. 9869534173
फ्लेट नं. 708, क्वार्टर रोड नं. 5
श्री अम्बे सोसायटी, रायडूंगरी, बी-विंग
बोरीवली (ई.) 400066

हिमाचल प्रदेश

हमीरपुर
श्री ज्ञानचन्द शर्मा,मो. 09418419030
गाँव व पोस्ट - बिघरी, त. बदसर
जिला हमीरपुर - 176040

.....

श्री रसील सिंह मनकोटिया
मो. 09418061161, जामलीधाम,
पोस्ट-रोपा, जिला-हमीरपुर-177001

गुजरात

अहमदाबाद
श्री योगेन्द्र प्रताप राघव,मो. 09274595349
म.नं.: बी-77, गोल्डन बंग्लो, नाना चिलोड़ा, अहमदाबाद

उत्तर प्रदेश

मथुरा
श्री दिलीप वर्मा,मो. 08899366480
1, द्वारिकापुरी,कंकाली, मथुरा

बरेली
श्री कुंवरपाल सिंह पुंढीर
मो. 9458681074,विकास पब्लिक स्कूल के पीछे, स्वरूप नगर (चहवाई)
जिला-बरेली

.....

श्री विजय नारायण शुक्ला
मो. 7060909449,मकान नं.22/10,
सी.बी.गंज, लेबर इण्डस्टीयल कॉलोनी बरेली

भदोही
श्री अनूप कुमार बरनवाल,
मो.7668765141,शिव मन्दिर के पास, मैन मार्केट, खमरिया,
जिला भदोही, 221306

हाथरस
श्री दास बृजेन्द्र,मो.-09720890047
दीनकुटी सत्संग भवन,सादाबाद

हापुड़
श्री मनोज कंसल मो.-09927001112,
डिलाइट टैन्ट हाऊस,कबाड़ी बाजार,हापुड़

गजरौला, अमरोहा
श्री अजय एवं श्रीमती आरती शर्मा
मो.-08791269705
बांके बिहारी सदन, कालरा स्टेट,
गजरौला, अमरोहा-244235

छत्तीसगढ़

दीपका, कोरबा
श्री सूरजमल अग्रवाल,मो. 09425536801

.....

श्री देवनाथ साहू,मो. 09229429407
गांव- बेला कछार, मु.पो. बालको नगर, जिला-कोरबा

बिलासपुर
डॉ. योगेश गुप्ता,मो.-09827954009
श्रीमन्दिर के पास, रिंग रोड़ नं. 2,
शान्ति नगर, बिलासपुर

बालोद
श्री बाबूलाल संजयकुमार जैन
मो. 9425525000,रामदेव चौक
बालोद, जिला-बालोद

जम्मू/कश्मीर

जम्मू
श्री जगदीश राज गुप्ता,मो. 09419200395
गुरू आशीर्वाद कुटीर, 52-सी
अपर शिव शक्ति नगर जम्मु-180001

डोडा
श्री विक्रम सिंह व नीलम जी कोतवाल
मो. 09419175813, 08082024587
ग्वाड़ी, उदराना, त. भद्रवा, डोडा

दिल्ली

शाहदरा
श्री विशाल अरोड़ा-8447154011
श्रीमान रविशंकर जी अरोड़ा-9810774473
मैसर्स शालीमार ड्राइक्लीनर्स
IV/1461 गली नं. 2 शालीमार पार्क,
D.C.B. ऑफिस के पास,शाहदरा

नारायण सेवा केन्द्र

महाराष्ट्र

मुम्बई
07073452174, 09529920088
07073474438, मकान नं. 06/103, ग्राउण्ड फ्लोर, ओम मणिकांत सी.एच.एस., लिमिटेड शास्त्री नगर, रोड-1, गोरेगांव पश्चिम मुम्बई-400104

नागपुर
08306004806, प्लॉट नंबर 37, गोरले ले आउट,गोपाल नगर, दूसरा बस स्टॉप,नागपुर,महाराष्ट्र 440022

पूणे
09529920093
17/153 मेन रोड, गणेश सुपर मार्केट गोखले नगर, पूणे-16

दिल्ली

रोहिणी
08588835718, 08588835719
नारायण सेवा संस्थान,बी-4/232 ,शिव शक्ति मंदिर के पास,सेक्टर-8, रोहिणी, दिल्ली -110085

जनकपुरी, नई दिल्ली
07023101156, 7023101167
सी1/212, जनकपुरी, नई दिल्ली-110058

बिहार

पटना
मकान नं.-23, किताब भवन रोड नॉर्थ एस.के. पुरी, पटना-13

हरियाणा

चण्डीगढ़
070734 52176
म.नं.-3658,सेक्टर-46/सी,चण्डीगढ़

गुरूग्राम
08306004802, हाउस नं.-1936 जीए,गली नं.-10,राजीव नगर ईस्ट, माता रोड़, सी.आर.पी.एफ. केम्प चौक,गुरुग्राम -122001

हिसार
07023003320,मकान न. 2249, सेक्टर-14,हिसार 125005

करनाल
मो.: 8306004815, मकान न. 415, सेक्टर-6, करनाल 132001

(कर्नाटक)

बेंगलुरू
09341200200,नारायण सेवा संस्थान 40 (12) प्रथम फ्लोर, मॉडल हाउस कॉलोनी, अपोजिट समना पार्क, एनआर कॉलोनी, बसवानगुड़ी, बेंगलुरु-560004

पंजाब

लुधियाना
07023101153
50/30-ए, राम गली, नौरीमल बाग भारत नगर, लुधियाना (पंजाब)

उत्तर प्रदेश

प्रयागराज
09351230393, म.न . 78/बी, मोहत सिंह गंज, प्रयागराज -211003

मेरठ
08306004811, 38, श्री राम पैलेस, दिल्ली रोड,नियर सब्जी मंडी, माधव पुरम,मेरठ 250002

लखनऊ
. 09351230395
551/च/157 नियर केला गोदाम, डॉ. निगम के पास, जय प्रकाश नगर आलम बाग, लखनऊ

मध्य प्रदेश

ग्वालियर
07412060406, 41 ए ,न्यू शांति नगर, त्रिवेदी नर्सिंग होम के पीछे,नई सडक, लश्कर,ग्वालियर 474001

भोपाल
095299 20089
ए -846, न्यू अशोका गार्डन, दिगम्बर जैन मंदिर के पास, रायसन रोड, भोपाल - 462023

वेस्ट बंगाल

कोलकाता
09529920097,
म.न.-पी226, ए ब्लॉक, ग्राउण्ड फ्लोर, लेक टाऊन कोलकाता-700089

गुजरात

सूरत
09529920082,
27, सम्राट टाऊनशिप,सम्राट स्कूल के पास, परवत पाटीया, सूरत

वडोदरा
मो.: 9529920081 म. नं.: 1298, वैकुंठ समाज, श्री अम्बे स्कूल के पास, वाघोड़िया रोड, वडोदरा -390019

राजस्थान

जोधपुर
08306004821
मेडती गेट के अंदर,कुचामन हवेली के पास,जोधपुर,राज.-342001

कोटा
07023101172
नारायण सेवा संस्थान, 209ए, तलवंडी कोटा (राज.) 324005

जयपुर
08696002432, बी-16 गोविन्ददेव कॉलोनी, चौगान स्टेडियम के पीछे, गणगौरी बाजार,जयपुर

नाथद्वारा
मो.: 8306004832
मकान नं. 850, वंदना सिनेमा के पीछे श्रीजी कॉलोनी, नाथद्वारा बस स्टेण्ड के पास, नाथद्वारा, राजसमंद-313301

नारायण निःशुल्क फिजियोथेरेपी सेन्टर

दिल्ली

फतेहपुरी
09999175555
07073452155
6473 कटरा बरियान, अम्बर होटल के पास, फतेहपुरी,दिल्ली-6

शाहदरा
बी-85, ज्योति कॉलोनी, दुर्गापुरी चौक,शाहदरा, दिल्ली-32

उत्तर प्रदेश

हाथरस
09453045748, 07023101169
एलआईसी बिल्डिंग के नीचे, अलीगढ़ रोड, हाथरस

मथुरा
07023101163, नारायण सेवा संस्थान 68-डी, राधिका धाम के पास, कृष्णा नगर, मथुरा 281004

अलीगढ़
07023101169,एम.आई.जी. -48 विकास नगर, आगरा रोड़,अलीगढ़

मोदीनगर
आर्य समाज मंदिर, सीकरी पेट्रोल पम्प के पास, मोदी बाग के सामने मोदीनगर -201204

बरेली
मो.:8306004804, बी-17, राजेन्द्र नगर, जिंगल बेल्स स्कूल के पास, बरेली

लोनी
09529920084, दानदाता : डॉ. जे.पी. शर्मा, 9818572693
श्रीमती कृष्णा मेमोरियल नि:शुल्क फिजियोथेरेपी सेन्टर, 72 शिव विहार, लोनी बन्थला, चिरोड़ी रोड (मोक्षधाम मन्दिर) के पास लोनी, गाजियाबाद

गाजियाबाद
(1) 07073474435,8588835716
184, सेठ गोपीमल धर्मशाला केलावालान, दिल्ली गेट गाजियाबाद

(2) 07073474435,8588835716
श्रीमती शीला जैन नि:शुल्क फिजियोथेरेपी सेंटर,बी.-350 न्यू पंचवटी कॉलोनी, गाजियाबाद -201009

आगरा
07023101174
मकान नंबर 8/153 ई -3 न्यू लॉयर्स कॉलोनी,नियर पानी की टंकी के पीछे, आगरा -282003 (उ.प्र.)

राजस्थान

जयपुर
09928027946, बद्रीनारायण वैद फिजियोथेरेपी हॉस्पीटल एण्ड रिचर्स सेन्टर बी-50-51 सनराईज सिटी,मोक्ष मार्ग, निवारू झोटवाड़ा,जयपुर

गुजरात

अहमदाबाद
9529920080,ओ.बी. 3/27 गुजरात हाउसिंग बोर्ड खोडियार मंदिर, 4 रास्ता लाल बहादुर शास्त्री स्टेडियम रोड, बापूनगर, अहमदाबाद-24

राजकोट
09529920083, भगत सिंह गार्डन के सामने आकाशवाणी चौक, शिवशक्ति कॉलोनी, ब्लॉक नं. 15/2 युनिर्वसिटी रोड,राजकोट

तेलंगाना

हैदराबाद
09573938038,लीलावती भवन, 4-7-122/123 इसामिया बाजार, कोठी , संतोषी माता मंदिर के पास,हैदराबाद -500027

उत्तराखण्ड

देहरादून
07023101175, साई लोक कॉलोनी, गांव कार्बरी ग्रांट,शिमला बाय पास रोड, देहरादून 248007

महाराष्ट्र

मुम्बई
09529920090,ओसवाल बगीची, आरएनटी पार्क,भायन्दर ईस्ट मुम्बई - 401105

मध्य प्रदेश

रतलाम
दत्ता कृपा महात्मा गांधी मार्ग, गली नम्बर-2 एचडीएफसी बैंक के पीछे, स्टेशन रोड, रतलाम - 457001 (म.प्र.)

इन्दौर
09529920087
12, चन्द्रलोक कॉलोनी खजराना रोड, इंदौर-452018

छत्तीसगढ़

रायपुर
07869916950,मीरा जी राव, म.नं.-29/500 टीवी टावर रोड, गली नं.-2, फेस-2 श्रीरामनगर,पो.-शंकरनगर,रायपुर,छ.ग.

हरियाणा

अम्बाला
07023101160,सविता शर्मा, 669, हाऊसिंग बोर्ड कोलोनी अरबन स्टेट के पास, सेक्टर-7 अम्बाला

कैथल
09812003662,ग्राउंड फ्लोर, गर्ग मनोरोग एवं दांतों का हॉस्पिटल, नियर पदमा सिटी माल, करनाल रोड, कैथल

दिव्यांग, अनाथ, असहाय एवं वंचितजन की सेवा में सतत सक्रिय संस्थान के विभिन्न सेवा प्रकल्पों में करें सहयोग

कृपया अपने परिजनों या स्वयं के जन्मदिन, शादी की वर्षगांठ एवं पुण्यतिथि को बनायें यादगार..

जन्मजात पोलियोग्रस्त दिव्यांगों के ऑपरेशनार्थ सहयोग राशि

ऑपरेशन संख्या	सहयोग राशि	ऑपरेशन संख्या	सहयोग राशि
501 ऑपरेशन के लिए	17,00,000	40 ऑपरेशन के लिए	1,51,000
401 ऑपरेशन के लिए	14,01,000	13 ऑपरेशन के लिए	52,500
301 ऑपरेशन के लिए	10,51,000	5 ऑपरेशन के लिए	21,000
201 ऑपरेशन के लिए	07,11,000	3 ऑपरेशन के लिए	13,000
101 ऑपरेशन के लिए	03,61,000	1 ऑपरेशन के लिए	5000

निर्धन एवं दिव्यांगों को खिलाएं निवाला

आजीवन भोजन/नाश्ता सहयोग मिति (हर वर्ष में एक दिवस 50 दिव्यांग, निर्धन एवं अनाथ बच्चों के लिए भोजन/नाश्ता सहयोग हेतु मदद करें)	
नाश्ता एवं दोनों समय भोजन सहयोग राशि	37000/-
दोनों समय के भोजन की सहयोग राशि	30000/-
एक समय के भोजन की सहयोग राशि	15000/-
नाश्ता सहयोग राशि	7000/-

दुखियों के चेहरों पर लाएं खुशियां

दुर्घटनाग्रस्त एवं जन्मजात दिव्यांगों को दें कृत्रिम हाथ-पैर और सहायक उपकरणों का उपहार				
वस्तु	सहयोग राशि (एक नग)	सहयोग राशि (तीन नग)	सहयोग राशि (पाँच नग)	सहयोग राशि (ग्यारह नग)
तिपहिया साईकिल	5000	15,000	25,000	55,000
व्हील चेयर	4000	12,000	20,000	44,000
कैलिपर	2000	6,000	10,000	22,000
वैशाखी	500	1,500	2,500	5,500
कृत्रिम हाथ/पैर	10000	30,000	50,000	1,10000

गरीब दिव्यांगों को बनाएं आत्मनिर्भर

मोबाइल /कम्प्यूटर/सिलाई/मेहन्दी प्रशिक्षण सौजन्य राशि	
1 प्रशिक्षणार्थी सहयोग राशि- 7,500	3 प्रशिक्षणार्थी सहयोग राशि -22,500
5 प्रशिक्षणार्थी सहयोग राशि- 37,500	10 प्रशिक्षणार्थी सहयोग राशि -75,000
20 प्रशिक्षणार्थी सहयोग राशि- 1,50,000	30 प्रशिक्षणार्थी सहयोग राशि -2,25,000

शिक्षा से वंचित आदिवासी क्षेत्र के बच्चों को शिक्षित करने में करें मदद	
एक बालक का 1 माह का शिक्षा सहयोग	11,00/-
एक बालक का 1 वर्ष का शिक्षा सहयोग	11,000/-
एक बालक का आजीवन पालनहार सहयोग (6 से 18 वर्ष)	1,00,000/-

अपने बैंक खाते से संस्थान के बैंक खाते में जमा करें- अपना दान

आप अपना दान सहयोग नारायण सेवा संस्थान, उदयपुर के नाम से संस्थान के बैंक खातों में सीधे भी जमा करवाकर PAY IN SLIP भेजकर सूचित कर सकते हैं, जिससे दान प्राप्ति रसीद आपको भेजी जा सके।

संस्थान पैन नम्बर AAATN4183F, टैन नम्बर JDHN01027F

STATE BANK OF INDIA	-H.M.Sector-4	SBIN0011406	31505501196
ICICI Bank	-Madhuban	ICIC0000045	004501000829
PUNJAB NATIONAL BANK	-KalajiGoraji	PUNB0297300	2973000100029801
UNION BANK OF INDIA	-UdaipurMain	UBIN0531014	310102050000148

संस्थान को दिया गया दान-सहयोग आयकर अधिनियम 1961 की धारा 80G के अन्तर्गत 50 प्रतिशत नियमानुसार कर में छूट के योग्य है।

UPI narayanseva@sbi

संस्थान को **paytm** एवं **UPI** के माध्यम से दान देने हेतु इस **QR Code** को स्केन करें अथवा अपने पेमेंट एप में **UPI Address** डालकर आसानी से सेवा भेजे।

अधिक जानकारी के लिए कॉल करें

फोन नं.: +91-294-6622222

वाट्सअप : +91-7023509999

आपके अपने संस्थान का पता

नारायण सेवा संस्थान - 'सेवाधाम', सेवानगर, हिरण मगरी, सेक्टर-4, उदयपुर-313002 (राजस्थान) भारत

सहमति-पत्र के साथ आप अपनी करुणा सेवा भिजवा सकते हैं

आदरणीय अध्यक्ष महोदय,

मैं (नाम) ▶.....सहयोग मद ▶ .....

उपलक्ष्य में/स्मृति में ▶.....

संस्थान द्वारा संचालित सेवा कार्यों में रुपये ▶.....का चेक नं./डी.डी. नं./एम.ओ./पे-इन स्लीप ..... दिनांक ▶.....से सहयोग भेजने की सहमति प्रदान करता हूँ/करती हूँ।

पूर्ण पता ▶.....

जिला .....पिन कोड .....राज्य .....

मो. नं. .....वाट्सअप नं. ..... ई-मेल .....

हस्ताक्षर

शुभ-विवाह

निर्धन एवं दिव्यांग बेटियों की

पालकी और डोली उठाकर बसाएं गृहस्थी

पूर्ण कन्यादान (प्रति कन्या)	51,000/-
आंशिक कन्यादान (प्रति कन्या)	21,000/-
वर-वधू श्रृंगार पुण्य (प्रति जोड़ा)	11,000/-
भोजन प्रसाद (100 सहयोगी अपेक्षित)	5,100/-
वेदी सहयोग (प्रति वेदी)	2,100/-
मेहन्दी रस्म (प्रति जोड़ा)	2,100/-

Donate Now

UPI narayanseva@sbi

Seva Soubhagya 1 July, 2022 Registered Newspaper No. RAJBIL/2010/52404 Postal Reg. No. RJ/UD/29-146/2020-2022. Despatch Date 1st to 7th of every month, Chetak Circle Post Office, Udaipur, Published by Sole-Owner, Publisher and Chief Editor Prashant Agarwal from Sevadham, Hiran Magri, Sector-4, Udaipur - 313002 (Raj) Printed at Newtrack Offset Private Limited, Udaipur. Total pages- 32 (No. of copies printed 1,05,000) cost- Rs.5/-